BSES

नए वित्त वर्ष को दुर्घटनामुक्त बनाने का संकल्प

नई दिल्लीः 16 मार्च, 2015। पूर्वी, मध्य, दक्षिण व पश्चिम दिल्ली को बिजली के मामले में दुर्घटनामुक्त बनाने का संकल्प लेते हुए, बीएसईएस ने एक बड़े अभियान की शुरूआत की है। कंपनी की योजना है कि वित्त वर्ष 2015–16 को बिजली संबंधी दुर्घटनाओं से मुक्त वर्ष बनाया जाए।

इसके तहत, बिजली की लाइनों व अन्य उपकरणों से सीधे तौर पर जुड़े लाइनमैन, पावर सप्लाई अधिकारियों और इंजीनियरों को बड़े पैमाने पर क्लासरूम और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पावर पॉइंट प्रजेंटेशन, स्लाइड्स और प्रोजेक्टरों के माध्यम से उन्हें बताया जा रहा है कि वे बिजली संबंधी काम को किस तरह पूरा करें कि उनके साथ–साथ बीएसईएस के 1.2 करोड़ उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बिजली लाइनों व उपकरणों से सीधे जुड़े कर्मचारियों व अधिकारियों को मिड करियर ट्रेनिंग लेने को कहा गया है। इस ट्रेनिंग के दौरान बिजली विशेषज्ञ, बीएसईएस के लाइनमैन/ इंजीनियरों को क्लासरूम ट्रेनिंग दे रहे हैं। साथ ही वे बीएसईएस कर्मियों के साथ फील्ड में जाकर यह भी बताते हैं कि किसी भी काम को ज्यादा सुरक्षित तरीके से कैसे किया जा सकता है।

इसके तहत, बीएसईएस के सभी डिविजनों में सेफ्टी वीक का आयोजन किया गया। बीवाईपीएल मुख्यालय में हुए सेफ्टी वीक समापन समारोह में दिल्ली सरकार के लेबर कमिश्नर श्री सतीश माथुर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे। बीआरपीएल और बीवाईपीएल ऑफिसों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बीएसईएस के डायरेक्टर श्री गोपाल सक्सेना, बीआरपीएल के सीईओ श्री अरविंद गुजराल और बीवाईपीएल के सीईओ श्री पी आर कुमार भी उपस्थित थे।

सेफ्टी वीक के दौरान बीएसईएस कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के बीच बिजली संबंधी सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। भाषण, निबंध लेखन, पेंटिंग, कार्टून मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। मुख्य संदेश था ––बिजली जरूरी है, पर खतरनाक भी है। इसलिए, सेफ्टी फर्स्ट।